Training on concept of Soil Moisture Conservation and its Importance in forestry

मृदा नमी संरक्षण की अवधारणा एवं वानिकी में इसके महत्व पर प्रशिक्षण

दिनांक 20–22 / 05 / 2026

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिनांक 20 मई 2026 से 22 मई 2026 तक राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर की वनप्रबंधन प्रभाग द्वारा श्री प्रदीप वासुदेवा भा.व.से. संचालक रा.व.अ.सं. जबलपुर एवं श्री संदीप फैलोज़ उपसंचालक के मार्गदर्शन में आयोजित किये गये है। जिसमें तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनॉक 20 मई 2026 से 22 मई 2026 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 31 प्रशिक्षणार्थी मंदसौर, गुना, नरसिंहपुर, छतरपुर, कटनी, मुरैना, सिंगरौली वनमण्डलों से वनपरिक्षेत्र अधिकारी, वनपाल एवं वनरक्षकों ने मृदा नमी संरक्षण विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा भा.व.से. ने अपने उद्बोधन में कहा कि मृदा एवं जल संरक्षण सतत एवं सुदृढ़ वन प्रबंधन की आधारशिला है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए गये। इस अवसर पर श्री के.एल. कावरे, सेवानिवृत्त ए.सी.एफ, श्री राघवेन्द्र बिसेन, सेवानिवृत्त ए.सी.एफ., श्री एस. के. जैन, सेवानिवृत्त ए.सी.एफ., डॉ यशपाल सिंह, सहायक प्रध्यापक, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, डॉ. रोहित पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं डॉ. विजय बघारे, एच.ओ. डी. (वानिकी विभाग), मंगलायतन विश्वविद्यालय, जबलपुर के द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेन्टेशन (PPT) के माध्यम से विशेषज्ञों ने मृदा स्वास्थ्य, जल संवर्धन की विधियों और वानिकी क्षेत्रों में वर्षा जल को रोकने के प्रभावी उपायों पर तकनीकी जानकारी साझा की। इसी कडी में मृदा नमी संरक्षण के लिये विभिन्न संरचनाओं के बारे में गेबियन स्ट्रक्चर, परकोलेशन टैंक, बोल्डर चेक डैम एवं तालाब आदि वन परिक्षेत्र कुण्डम क्षेत्र में भ्रमण के दौरान दिखाये गये।

जबलपुर, गुरुवार, 21 मई, 2026

नईदुनिया सिटी

जबलपुर

पेज 3 रंगारंग किटी पार्टी का उठाया आनंद

मंच पर रंग जमाने का सीख लिया हुनर IV

www.naidunia.com

शुभ प्रभात

शहर की वायु गुणवत्ता

	एक्यूआई	पीएम-10	पीएम-2.5
गुप्तेश्वर			
	111	111	68
	(संतोषजनक)		
मढ़ाताल			
	118	117	107
	(संतोषजनक)		
सुहागी			
	104	57	43
	(संतोषजनक)		

(सूचि: वाइबी डम/धनवंतर)

मृदा और जल संरक्षण सतत, सुदृढ़ वन प्रबंधन की आधारशिला

राज्य वन अनुसंधान संस्थान में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, विशेषज्ञों ने दी आधुनिक तकनीकों की जानकारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान ने मृदा एवं जल संरक्षण की अवधारणा एवं वानिकी में उसका महत्व विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को किया। उद्घाटन अवसर पर संचालक प्रदीप वासुदेवा ने अपने संबोधन में कहा कि मृदा एवं जल संरक्षण सतत एवं सुदृढ़ वन प्रबंधन की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ वन पारिस्थितिकी के संरक्षण एवं पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए जल एवं मृदा संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त तकनीकी जानकारी को क्षेत्रीय कार्यों में प्रभावी रूप से उपयोग करने का आग्रह किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न कार्यों में प्रभावी रूप से उपयोग करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण में केशव काले (सेवानिवृत्त एसीएफ), डा. यशपाल सिंह (सहायक प्राध्यापक, जवाहरलाल नेहरू कृषि विवि) एवं डा. रोहित पांडे कृषि विज्ञान संकाय रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने मृदा एवं जल संरक्षण की आधुनिक तकनीकों, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन तथा वानिकी में इनके व्यावहारिक उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञों ने तकनीकी सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को विषय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वन प्रबंधन में मृदा एवं जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करना तथा प्रतिभागियों को इसके विज्ञान एवं व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराना है। कार्यक्रम के दौरान वानिकी क्षेत्र में मृदा संरक्षण, जल संवर्धन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से संबंधित विभिन्न तकनीकी विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की जा रही है, जिससे वन उत्पादकता एवं पारिस्थितिक संतुलन को मजबूत किया जा सके। इस अवसर पर संस्थान के वन प्रबंधन प्रभाग की प्रभारी डा. प्रतिभा चतुर्वेदी, एसएस एलुवेली, डा. टीके कुलदीप, सत्यम सक्सेना, अजय जोशिकर, प्रियंका शर्मा, सौरभ चतुर्वेदी, डा. टीव प्रधान, अनमोल लकड़ा एक्का, विनीत मेहता, अभिषेक सोनी आदि की उपस्थिति रही।

राज्य वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने वाले विशेषज्ञ, संस्थान का स्टाफ व अन्य। • नईदुनिया : संस्थान

SOIL MOISTURE CONSERVATION AND
IMPORTANCE IN FORESTRY

TRAINING ON CONCEPT of
SOIL MOISTURE CONSERVATION AND
ITS IMPORTANCE IN FORESTRY